NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2024

Your Path to Success

1. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) मनुष्य के बारे में अपनी बात को अधिक स्पष्ट करने के लिए कबीर ने सोने के _____ का उदाहरण दिया हैं।

अथवा

(ii) आज़ादी कविता के अनुसार आज़ादी का संबंध श्रम, _____ और बलिदान से है।

उत्तर - (i) कलश

(ii) त्याग

2. (i) चंद्रगहना से लौटती बेर कविता में शोषक वर्ग का प्रतीक कौन है ?

(क) चिड़िया

(ख) बगुला

(ग) मछली

(घ) पत्थर

उत्तर - (ख) बगुला

अथवा

(ii) बूढ़ी पृथ्वी का दुख कविता के आधार पर सही मिलान वाला विकल्प चुनें -

(क) पृथ्वी	**-**	**जवान**
(ख) पेड़	**-**	**खुश**
(ग) वातावरण	**-**	**प्रदूषित**
(घ) नदी	**-**	**साफ़-सुथरी**

उत्तर - (ग) वातावरण - प्रदूषित

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

(i) आह्वान कविता के अनुसार भारत में अनेक धर्मों- _____ के लोग रहते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) रहीम के अनुसार अनुकूल अवसर मिलते ही विद्वान को फिर ज्ञान और _____ - _____ की बातें कहनी चाहिए।

(iii) आज़ादी केवल राजनीतिक नहीं होती, इसके अनेक _____ और _____ हैं।

(iv) बूढ़ी पृथ्वी का दुख कविता में पेड़ों के हज़ारों हज़ार हाथों के हिलने से अभिप्राय है _____।

उत्तर - (i) जातियों और संप्रदायों

(ii) मानव-कल्याण

(iii) संदर्भ **और** अर्थ

(iv) पेड़ कुल्हाड़ी की चोट की आशंका से भयभीत होकर बचाव के लिए पुकार रहे है।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों के रिक्त स्थानों को भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(i) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में प्रकृति _____ के रूप में आँचल की _____ प्रदान कर रही है।

(ii) आह्वान कविता के अनुसार कर्मरूपी _____ के बिना भाग्यरूपी _____ नहीं जल सकता।

(iii) आज़ादी कविता में दर्जी ने अपने अनुभवों के आधार पर बताया कि _____ और _____ आवश्यकताओं की पूर्ति ही आज़ादी है।

उत्तर - (i) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में प्रकृति **माँ** के रूप में आँचल की **छाँह** प्रदान कर रही है।

(ii) आह्वान कविता के अनुसार कर्मरूपी **तेल** के बिना भाग्यरूपी **दीपक** नहीं जल सकता।

(iii) आज़ादी कविता में दर्जी ने अपने अनुभवों के आधार पर बताया कि **मूलभूत** और **अनिवार्य** आवश्यकताओं की पूर्ति ही आज़ादी है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

(i) कवि वृंद के अनुसार निरंतर अभ्यास करने से मूर्ख व्यक्ति भी _____ और _____ बन जाता है।

(ii) _____ कविता में सरसों को सयानी लड़की बनाकर प्रस्तुत करने में _____ अलंकार है।

(iii) 'आह्वान' कविता की भाषा _____ और उद्बोधनपरक है जिससे देशवासियों को अंधकार और से जूझने की प्रेरणा मिलती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (i) कवि वृंद के अनुसार निरंतर अभ्यास करने से मूर्ख व्यक्ति भी **चतुर** और **ज्ञानवान** बन जाता है।

(ii) **चंद्रगहना से लौटती बेर** कविता में सरसों को सयानी लड़की बनाकर प्रस्तुत करने में **मानवीकरण** अलंकार है।

(iii) 'आह्वान' कविता की भाषा **ओजपूर्ण** और उद्बोधनपरक है जिससे देशवासियों को अंधकार और **निराशा** से जूझने की प्रेरणा मिलती है।

6. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

देखो प्रिय, विशाल विश्व को आँख उठाकर देखो,

अनुभव करो हृदय से यह अनुपम सुषमाकर देखो।

यह सामने अथाह प्रेम का सागर लहराता है,

कूद पड़ूँ तैरूँ इसमें, ऐसा जी में आता है।।

रत्नाकर गर्जन करता है मलयानिल बहता है,

हरदम यह हौसला हृदय में प्रिये! भरा रहता है।

इस विशाल, विस्तृत, महिमामय रत्नाकर के घर के,

कोने-कोने में लहरों पर बैठ फिरूँ जी भर के।।

निकल रहा है जलनिधि-तल पर दिनकर-बिंब अधूरा,

कमला के कंचन-मंदिर का मानो कांत-कँगूरा।

लाने को निज पुण्यभूमि पर लक्ष्मी की असवारी,

रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ण-सड़क अति प्यारी।।

(i) कवि अपनी प्रिय से किसे देखने को कह रहा है ?

(क) हृदय की सुंदरता को

(ख) विशाल विश्व को

(ग) समुद्र को

(घ) मंदिर को

उत्तर - (ख) विशाल विश्व को

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) कवि के हृदय में क्या हौसला भरा रहता है ?

(क) लहरों पर बैठकर सागर के कोने-कोने में घूमने का

(ख) लहरों पर बैठकर दुनिया के कोने-कोने में घूमने का

(ग) लहरों के साथ गर्जना करने का

(घ) लहरों के साथ ऊपर-नीचे उठने और गिरने का

उत्तर - (क) लहरों पर बैठकर सागर के कोने-कोने में घूमने का

(iii) कवि ने उगते हुए सूर्य की कल्पना किस रूप में की है ?

(क) लक्ष्मी के मंदिर के चमकते हुए शंख के रूप में

(ख) लक्ष्मी के मंदिर के चमकते अधूरे बिंब के रूप में

(ग) लक्ष्मी के सोने से बने मंदिर के चमकते गुंबद के रूप में

(घ) लक्ष्मी के शीशे के मंदिर के चमकते हुए गुंबद के रूप में

उत्तर - (ख) लक्ष्मी के मंदिर के चमकते अधूरे बिंब के रूप में

(iv) 'कमला के कंचन' और 'स्वर्ण-सड़क' में _____ अलंकार है।

(क) उपमा

(ख) यमक

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) अनुप्रास

उत्तर - (घ) अनुप्रास अलंकार

7. सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(i) बहादुर घर छोड़कर जाते हुए भी अपने क्या होने का सबूत दे जाता है ?

(क) दोषी

(ख) घमंडी

(ग) निर्दोष

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) चोर

उत्तर - (ग) निर्दोष

अथवा

(ii) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ में बुरी प्रवृत्तियों के लिए किस शब्द का प्रयोग किया गया है ?

(क) पशुता

(ख) मानवता

(ग) अहंकार

(घ) शत्रुता

उत्तर - (क) पशुता

8. सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) इन्ट्रो के बाद समाचार थोड़े विस्तार से दिया जाता है इसे ही समाचार या घटना का _____, कहते हैं।

(क) मेन हेडिंग

(ख) बाइ लाइन

(ग) संपादकीय

(घ) ब्यौरा

उत्तर - (घ) ब्यौरा

अथवा

(ii) 'सुखी राजकुमार' कहानी में गौरैया बार-बार किस देश में जाने का जिक्र करती है ?

(क) चीन

(ख) मिस्त्र

(ग) जर्मनी

(घ) लंदन

उत्तर - (ख) मिस्त्र

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

(i) अंधेर नगरी और चौपट राजा की कल्पना का कारण क्या है ?

(क) ब्रिटिश शासन की न्यायप्रियता को उभारने का दृष्टिकोण

(ख) दर्शकों के लिए हास्य-रस का वातावरण बनाने का प्रयास

(ग) ब्रिटिश शासन की सीधे तौर पर आलोचना न कर पाने की स्थिति

(घ) इतिहास के प्रसंगों की नई व्याख्या प्रस्तुत करने का उपाय

उत्तर - (ग) ब्रिटिश शासन की सीधे तौर पर आलोचना न कर पाने की स्थिति

अथवा

(ii) 'शतरंज के खिलाड़ी' पाठ के आधार पर बताइए कि वाजिद अली शाह के बंदी बनाए जाने का मिरज़ा और मीर को कोई मलाल नहीं था क्योंकि -

(क) वे उससे ईर्ष्या करते थे।

(ख) शतरंज का बादशाह अधिक महत्त्वपूर्ण था।

(ग) उन्हें अंग्रेज़ी फौज से डर लगता था।

(घ) वे अंग्रेज़ों के समर्थक थे।

उत्तर - (ख) शतरंज का बादशाह अधिक महत्त्वपूर्ण था।

सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

10. 'सुखी राजकुमार' कहानी में बहुत ठंड होने (पड़ने) पर भी गौरैया को ठंड न लगने का कारण यह बताया कि ।

(क) वह बीमार है।

(ख) उसने आज एक भलाई की है।

(ग) वह झूठ बोल रही है।

(घ) वह राजकुमार को परेशान नहीं करना चाहती।

उत्तर - (ख) उसने आज एक भलाई की है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के अनुसार शासक निकम्मा होने पर देश का क्या हाल हो जाता है?

(क) देश खुशहाल हो जाता है।

(ख) देश विकास की ओर अग्रसर होता है।

(ग) देश भोग विलासी और कामचोर हो जाता है।

(घ) देश सुरक्षित हो जाता है।

उत्तर - (ग) देश भोग विलासी और कामचोर हो जाता है।

11. (i) जो पत्र किसी एक कार्यालय द्वारा किसी अन्य कार्यालय को भेजे जाते हैं उसे कहते हैं -

(क) व्यक्तिगत पत्र

(ख) कार्यालयी पत्र

(ग) अनौपचारिक पत्र

(घ) प्रार्थना पत्र

उत्तर - (ख) कार्यालयी पत्र

अथवा

(ii) दूरदर्शन में भी समय की पाबंदी होती है इसलिए उन्हें जरूरत पड़ती है -

(क) सार लेखन

(ख) निबंध लेखन

(ग) पत्र लेखन

(घ) कहानी लेखन

उत्तर - (क) सार लेखन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

12. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) "मगर आपने उन्हें सिर चढ़ा रखा है, यह मुनासिब नहीं है।" इस वाक्य में प्रयुक्त मुहावरे का अर्थ है।

(क) हाँ में हाँ मिलाना

(ख) दिमाग खराब करना

(ग) सिर पर बैठा लेना

(घ) बहुत लाड़ प्यार से बिगाड़ देना

उत्तर - (घ) बहुत लाड़ प्यार से बिगाड़ देना

अथवा

(ii) ऐसी नगरी जहाँ तानाशाह की सत्ता है, न्याय का आडंबर होता है ऐसी नगरी को कहते हैं -

(क) सुंदर नगरी

(ख) अंधेर नगरी

(ग) जीवंत नगरी

(घ) खुशहाल नगरी

उत्तर - (ख) अंधेर नगरी

13. (i) फ़ीचर में किसका होना अनिवार्य होता है ?

उत्तर - रोचकता

अथवा

(ii) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग अभिव्यक्ति में लाने के लिए किया जाता है।

उत्तर - प्रभावशीलता

14. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) सुखी राजकुमार ने कहा, "मेरे पैर तो इस _____ से जड़े हैं और मैं चल नहीं सकता।"

(ii) शतरंज के खिलाड़ी कहानी के लेखक _____ हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iii) बहादुर कहानी में वाचक कई बार पड़ोसियों को सुना चुका था कि जिसके पास _____ है, वही आजकल नौकर रख सकता है।

(iv) अंधेर नगरी में राजा के अधिकारी _____ और मूर्ख हैं।

उत्तर - (i) स्तंभ

(ii) मुंशी प्रेमचंद

(iii) कलेजा

(iv) चापलूस

15. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं ? किन्हीं दो की पहचान कीजिए और उनके नाम लिखिए।

(i) "मनुष्य की मनुष्यता यही है कि वह दुख-सुख को सहानुभूति के साथ देखता है।"

उत्तर - गौतम बुद्ध द्वारा (नाखून क्यों बढ़ते हैं?)

(ii) "रानी रूठेंगी, अपना सुहाग लेंगी।"

उत्तर - बेगम द्वारा। (शतरंज के खिलाड़ी)

(iii) "बिल्कुल! बिल्कुल पत्थर का भिखारी!"

उत्तर - सदस्यों द्वारा। (सुखी राजकुमार)

(iv) "बहादुर, आकर नाशता क्यों नहीं कर लेते?"

उत्तर - निर्मला द्वारा। (बहादुर)

16. नीचे दिए गए कथनों में से किन्हीं दो कथनों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत।

(i) बहादुर कहानी के वाचक में मध्यवर्गीय व्यक्ति के गुण और दोष दोनों मिलेंगे।

उत्तर - सही

(ii) समाचार संवाददाता के विचारों पर आधारित होते हैं।

उत्तर - गलत

(iii) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार अच्छी तरह सोच समझकर, परखकर हमें किसी वस्तु या पद्धति को अपनाना चाहिए।

उत्तर - सही

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iv) अंधेर नगरी के राजा बहुत न्यायप्रिय हैं।

उत्तर - गलत

17. सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) संयम एवं दूसरों के _____ के प्रति _____ होना ही मनुष्य को पशु से श्रेष्ठ बनाता है।

(क) धन, लालची

(ख) दुख-सुख, संवेदनशील

(ग) सुख, असंवेदनशील

(घ) दुख, प्रसन्न

उत्तर - दुख-सुख, संवेदनशील

अथवा

(ii) निबंध में _____ होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा _____ होने चाहिए।

(क) क्रमबद्धता, प्रभावशाली

(ख) कल्पना, बड़े

(ग) आत्मीयता, अशुद्ध

(घ) सूचना, अप्रभावशाली

उत्तर - (क) क्रमबद्धता, प्रभावशाली

18. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के दो सही युग्म चुनिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

पाठ का नाम	**पात्र का नाम**
(i) अंधेर नगरी	बेगम
(ii) सुखी राजकुमार	निर्मला
(iii) शतरंज के खिलाड़ी	महंत
(iv) बहादुर	मेयर

उत्तर -

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

पाठ का नाम	पात्र का नाम
(i) अंधेर नगरी	महंत
(ii) सुखी राजकुमार	मेयर
(iii) शतरंज के खिलाड़ी	बेगम
(iv) बहादुर	निर्मला

19. निम्नलिखित में से किन्हीं दो रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(i) _____ अखबारों की आय का प्रमुख साधन होते हैं।

(ii) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार पुराने का _____ सब समय वांछनीय ही नहीं होता।

(iii) बहादुर की माँ बड़ी _____ थी।

(iv) शतरंज के खिलाड़ी कहानी के अनुसार लखनऊ _____ के रंग में डुबा हुआ था।

उत्तर - (i) विज्ञापन

(ii) मोह

(iii) गुस्सैल

(iv) विलासिता

20. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता दोनों का वास्तविक अर्थ एक ही है। वह अर्थ है अपना अवलंब अर्थात् आश्रय या सहारा आप बनना, किसी दूसरे पर बोझ न बनकर या निर्भर अर्थात् आश्रित न रहकर अपने आप पर निर्भर या आश्रित रहना। इस प्रकार दोनों शब्द परावलंबन या पराश्रिता त्यागकर, स्वयं परिश्रम करके, सब प्रकार के दुख-कष्ट सहकर भी अपने पैरों पर खड़े रहने की शिक्षा और प्रेरणा देने वाले शब्द हैं। संसार में परावलंबी यानि दूसरों पर आश्रित होना या निर्भर रहना एक प्रकार का पाप, सर्वाधिक हीन कर्म और आदमी के अंतः बाह्य व्यक्तित्व को एकदम हीन और बौना बनाकर रख देने वाला हुआ करता है। पराश्रित को हमेशा आश्रय देने वालों के अधीन बनकर रहना पड़ता है। उनके इशारों पर नाचने की बाध्यता और विवशता रहा करती है। उनकी अपनी इच्छा पहले तो होती ही नहीं, होने या रहने पर भी उस का कोई मूल्य और महत्व नहीं रहा करता। हर बात के लिए दूसरों का मुँह ताकना पड़ता है। इसी कारण पराधीनता को घोर पाप और निकृष्ट माना गया है। इसके विपरीत स्वाधीनता एवं स्वावलंबन को स्वर्ग का द्वार, पुण्य-कार्यों का परिणाम और सब प्रकार से श्रेष्ठ स्वीकार किया गया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(i) स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता - ये दोनों शब्द आपको क्या शिक्षा देते हैं?

(क) परावलंबी बनकर जीने की शिक्षा

(ख) परालंबन या पराश्रिता त्यागकर अपने पैरों पर खड़ा होना

(ग) दूसरे पर निर्भर होकर आराम से रहना

(घ) दूसरे का सहारा बनने से कतराना

उत्तर - (ख) परालंबन या पराश्रिता त्यागकर अपने पैरों पर खड़ा होना

(ii) परावलंबी जीवन मनुष्य को क्या बना देता है?

(क) हीन और बौना

(ख) सम्मानित

(ग) कर्मठ

(घ) बुद्धिजीवी

उत्तर - (क) हीन और बौना

(iii) स्वाधीनता को _____ का द्वार, _____ कार्यों का परिणाम माना गया है।

(क) नरक, बुरे

(ख) नगर, भले

(ग) गाँव, अच्छे

(घ) स्वर्ग, पुण्य

उत्तर - (घ) स्वर्ग, पुण्य

(iv) स्वाधीनता का विलोम शब्द है-

(क) आत्मनिर्भरता

(ख) स्वावलंबन

(ग) पराधीनता

(घ) निकृष्टता

उत्तर - (ग) पराधीनता

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। (किन्हीं दो)

(i) 'यश' का सही विलोम शब्द है -

(क) अपयश

(ख) कुयश

(ग) सुयश

(घ) यशहीन

उत्तर - (क) अपयश

(ii) छात्रों के रहने का स्थान _____ कहलाता है।

(क) कारावास

(ख) छात्रावास

(ग) दूतावास

(घ) निवास

उत्तर - (ख) छात्रावास

(iii) माता, नयन, दुकान, खिड़की में से देशज शब्द है -

उत्तर - खिड़की

माता - तद्भव शब्द
नयन - तत्सम शब्द
दुकान - संज्ञा शब्द

(iv) डिबिया, साँप, जहाज़, पवन में से फ़ारसी शब्द है -

उत्तर - जहाज़

डिबिया - देशज शब्द
साँप - संज्ञा शब्द
पवन - संस्कृत शब्द

22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) 'राजपुरुष' समस्तपद _____ समास का उदाहरण है।

(क) तत्पुरुष

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) बहुब्रीही

(ग) कर्मधारय

(घ) द्वंद्व

उत्तर - (क) तत्पुरुष

अथवा

(ii) 'लंबा है उदर जिसका' विग्रह का समस्तपद है _____ ।

(क) लंबू

(ख) लंबाई

(ग) लंबोदर

(घ) लंबीदर

उत्तर - (ग) लंबोदर

23. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) महाशय का संधि विच्छेद _____ है।

(ii) परोपकार का संधि विच्छेद _____ है।

(iii) तथा + एव की संधि _____ है।

(iv) सु + आगत की संधि _____ होगी।

उत्तर - (i) महा + आशय

(ii) पर + उपकार

(iii) तथैव

(iv) स्वागत

24. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) परिक्रमा शब्द में _____ उपसर्ग है।

(ii) विश्राम शब्द में _____ उपसर्ग है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iii) सजीला शब्द में _____ प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

(iv) लेखक शब्द में _____ प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

उत्तर - (i) परिक्रमा शब्द में **'परि-'** उपसर्ग है।

(ii) विश्राम शब्द में **'वि-'** उपसर्ग है।

(iii) सजीला शब्द में **'-ईला'** प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

(iv) लेखक शब्द में **'-क'** प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

25. (i) निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य है -

(क) महात्मा गाँधी ने कहा कि गाय करूणा की कविता है।

(ख) मैंने गौरा को देखा और उसे पालने का निश्चय किया।

(ग) अध्यापक चाहते हैं कि उनके शिष्य अच्छे बनें।

(घ) मैंने एक बहुत सुंदर चिड़िया देखी।

उत्तर - (ख) मैंने गौरा को देखा और उसे पालने का निश्चय किया।

अथवा

(ii) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य है -

(क) जब वह मुंबई गया तब उसने वहाँ नया व्यापार शुरू किया।

(ख) वह दो दिन गाँव में रहकर सबका प्रिय हो गया।

(ग) संतोषी व्यक्ति जंगल में भी खुश रहते हैं।

(घ) अतिथि आए और कार्यक्रम शुरू हो गया।

उत्तर - (क) जब वह मुंबई गया तब उसने वहाँ नया व्यापार शुरू किया।

26. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है-

(i) (क) मैंने अख़बार पढ़ी।

(ख) मैंने अख़बार पढ़ूँगी।

(ग) मैंने अख़बार पढ़ा।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) मैंने अख़बार पढ़ेंगा।

उत्तर - (ग) मैंने अख़बार पढ़ा।

अथवा

(ii) (क) यहाँ भैंस का ताज़ा दूध मिलता है।

(ख) यहाँ ताज़ा भैंस का दूध मिलता है।

(ग) यहाँ दूध मिलता है ताज़ा भैंस का।

(घ) यहाँ भैंस का ताज़ी दूध मिलता है।

उत्तर - (क) यहाँ भैंस का ताज़ा दूध मिलता है।

27. (i) 'फूला न समाना' मुहावरे से आशय है-

(क) वज़न बढ़ जाना

(ख) अत्यंत प्रसन्न होना

(ग) अत्यंत निराश होना

(घ) अत्यंत मोटा हो जाना

उत्तर - (ख) अत्यंत प्रसन्न होना

अथवा

(ii) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरा चुनकर कीजिए।

अपने मेहमानों के स्वागत में _____ हम भारतीयों की संस्कृति में है।

(क) पापड़ बेलना

(ख) नाक-भौं चढ़ाना

(ग) पलकें बिछाना

(घ) जोड़-तोड़ करना

उत्तर - (ग) पलकें बिछाना

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

28. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(i)

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।
अब दादुर बक्ता बने, हमको पूछत कौन।।

उत्तर -

भाव सौन्दर्य - यह पंक्तियाँ कवि रहीम के दोहे से ली गई है। कवि ने पावस ऋतु के माध्यम से प्राकृतिक दृश्यों की सुंदरता और शांत वातावरण का चित्रण किया है। रहीम के दोहे में कोयल को ज्ञानी और मेंढक को अज्ञानी का प्रतीक बताया गया है। जब अज्ञानी लोग बढ़-चढ़कर बातें करते हैं, तो ज्ञानी मौन साध लेते हैं, क्योंकि उनके ज्ञान का शोर में प्रभाव नहीं पड़ता। विद्वान तब तक चुप रहता है जब तक सही अवसर न मिले, फिर वह अपनी बात रखता है।

शिल्प सौन्दर्य -

- **कवि -** रहीम
- भाषा सरल व सहज है।
- अन्योक्ति अलंकार का प्रयोग किया गया है।

अथवा

(ii)

"आज़ादी वह फ़सल है जिसे,
बोने वाला ही काट सकता है;
वह रोटी; जिसे मेहनती ही खा सकता है,
यह वह कपड़ा है, जिसे दर्जी ही
पहन सकता है,"

उत्तर -

भाव-सौंदर्य - यह पंक्तियाँ 'आजादी' कविता से ली गई है। इसके मूल लेखक "बालचंद्रन चुल्लिक्काड" है व इसके अनुवादक असद ज़ैदी हैं। कवि ने यह व्यक्त किया है कि आज़ादी, मेहनत और मेहनती लोगों का अधिकार है। जैसे किसान अपनी फसल काटता है, मेहनती लोग मेहनत का फल पाते हैं और दर्जी खुद कपड़े सीकर उनका उपयोग करता है। वैसे ही आज़ादी भी मेहनत और संघर्ष से मिलती है। यहाँ दर्जी की निरंतर मेहनत और समर्पण को भी दर्शाया गया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

शिल्प-सौंदर्य -

- कविता की भाषा सरल और सहज है।
- कविता मे अरबी, फ़ारसी और अंग्रेजी शब्दों का भी प्रयोग किया गया है।
- इस काव्य मे उपमा अलंकार का प्रयोग किया गया है।

29. सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i)

थोड़ा-सा वक्त चुरा कर बतियाया है कभी
कभी शिकायत न करने वाली
गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी से उसका दुख?
अगर नहीं, तो क्षमा करना !
मुझे तुम्हारे आदमी होने पर संदेह है !!

उत्तर -

थोड़ा-सा वक्त ..... पर संदेह है !!

प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियों को 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता से लिया गया हैं, जिसकी लेखिका निर्मला पुतुल हैं। इन पंक्तियों में कवयित्री ने पृथ्वी को बूढ़ी औरत के रूप में प्रस्तुत करते हुए उसके दुख को प्रकट किया है। साथ ही मनुष्य होने का वास्तविक अर्थ भी बताया है।

व्याख्या - आजकल लोग ज्यादा सुविधाएँ पाने की दौड़ में उलझ गए हैं, जिससे उनके पास जरूरी कामों के लिए समय नहीं बचता। इसका असर उनके परिवार पर भी पड़ता है। कई घरों में बुजुर्ग, जिन्होंने अपनी संतानों को पाल-पोसकर बड़ा किया और अब उनकी संतान के पास इतना भी समय नहीं है कि वह उनकी देखभाल और सेवा कर सके, उनसे बात करके उनका दुख-सुख पूछे। ऐसे में ये बड़े-बूढ़े बहुत उदास, चुप तथा दुखी रहते हैं। इन बुजुर्गों की तरह ही हमारी पृथ्वी की स्थिति हो गयी है।

इस कविता में पृथ्वी को "बूढ़ी" कहा गया है क्योंकि पेड़-पौधे कम हो रहे हैं, नदियाँ सूख रही हैं और पानी व हवा प्रदूषित हो रहे हैं। जैसे इंसान बूढ़ा होने पर कमज़ोर और बीमार हो जाता है, वैसे ही पृथ्वी भी बिना हरियाली, शुद्ध पानी और साफ़ हवा के बंजर और रोगी हो रही है। मनुष्य अपनी सेहत का ध्यान रखता है, व्यायाम करता है और खान-पान पर ध्यान देता है। इसी तरह उसे पृथ्वी का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि वह हरी-भरी और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर बनी रहे।

कवयित्री कहती है कि यदि तुमने यह सब नहीं किया, तो क्षमा करना, मुझे तुम्हारे आदमी होने पर संदेह है! ऐसा कवयित्री ने इसलिए कहा है क्योंकि मनुष्य से ही आशा की जाती है कि वह पृथ्वी का दुख समझे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशेष -

- बातचीत व प्रश्न शैली का प्रयोग किया गया हैं।
- गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी में मानवीकरण का प्रयोग किया गया है।
- भावों के अनुकूल भाषा-प्रयोग है।

अथवा

(ii)

और पैरों के तले है एक पोखर,
उठ रहीं इसमें लहरियाँ,
नील तल में तो उगी है घास भूरी,
ले रही वह भी लहरियाँ।
एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा,
आँख को है चकमकाता।

उत्तर -

और पैरों के तले ..... को है चकमकाता।

प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियों को 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता से लिया गया हैं, जो 'फूल नहीं, रंग बोलते है' संग्रह में सम्मिलित हैं। इसके रचयिता केदारनाथ अग्रवाल हैं।

व्याख्या - कवि को एक तालाब दिखाई दे रहा है, जिसमें छोटी-छोटी लहरें उठ रही हैं। तालाब का तल नीला है, लेकिन उसमें भूरे रंग की घास भी उगी है, जो लहरों के साथ हिल रही है। साँझ (संध्याकाल) का समय है और तालाब की सतह पर चाँद का प्रतिबिंब चमक रहा है। कवि ने चाँद को 'एक चाँदी का बड़ा गोल खंभा' कहा है। चाँद को खंभा जैसा दिखने का कारण यह है कि हिलते पानी में चाँद का प्रतिबिंब लंबा और खंभा जैसा दिखता है, जबकि शांत पानी में वह केवल एक गोल आकार का लगता है। लहरों वाले तालाब में किरणों के फिसलने से उसमें लंबाई प्रतीत होती है। इसलिए कवि को चाँद बड़ा और गोल खंभा जैसा महसूस होता है। यह कवि की सूक्ष्म दृष्टि और कल्पना का उदाहरण है।

विशेष -

- सरल-सहज शब्दों का प्रयोग किया गया है।
- काव्य में प्रकृति-सौंदर्य तथा ग्रामीण परिवेश के मोहक वातावरण को चित्रित किया गया हैं।
- काव्य में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए।

(i) कवि 'वृंद' के अनुसार अभ्यास करने का क्या अर्थ होता है ?

उत्तर - कवि वृंद के अनुसार निरंतर अभ्यास से मूर्ख व्यक्ति भी ज्ञानी बन जाता है, जैसे रस्सी के बार-बार रगड़ने से पत्थर पर निशान बन जाता है।

(ii) 'आह्वान' कविता के अनुसार सुख और शांति कैसे आएगी ? 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता के संदर्भ में लिखिए।

उत्तर - 'आह्वान' कविता के अनुसार, 'चंद्रगहना से लौटती बेर' की तरह सरल, ग्रामीण जीवन में समर्पण, श्रम और प्रकृति से जुड़ाव से सुख-शांति प्राप्त होती है, जहां सादगी और संतुलन प्रमुख हैं।

(iii) नगरों की अपेक्षा ग्रामीण अंचल को प्रेम के लिए अधिक उर्वर क्यों माना गया है ?

उत्तर - ग्रामीण अंचल को प्रेम के लिए अधिक उर्वर इसलिए माना गया है क्योंकि वहाँ सादगी, अपनापन और प्रकृति का निकट संबंध प्रेम को बढ़ाता है।

(iv) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता के संदर्भ में लिखिए कि क्या प्राकृतिक संसाधनों का मनमाना उपयोग करना हमारा अधिकार है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर - 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों का मनमाना उपयोग हमारा अधिकार नहीं है, क्योंकि इससे प्रकृति और जीवन का संतुलन बिगड़ता है।

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए।

(i) बहादुर के, व्यक्तित्व पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर - बहादुर ईमानदार, मेहनती, संवेदनशील और निस्वार्थ बालक है। वह जिम्मेदार, वफादार तथा दूसरों की सेवा करने वाला भरोसेमंद व्यक्ति है।

(ii) 'सुखी राजकुमार' कहानी के आधार पर राजकुमार के जीवन-काल और प्रतिमा बनने के बाद के राजकुमार के व्यक्तित्व की तुलना कीजिए और बताइए कि आपको कौन-सा रूप पसंद है और क्यों ?

उत्तर - जीवन-काल में राजकुमार ऐश्वर्य में रहकर दुखों से अनजान था, पर प्रतिमा बनने पर वह दयालु, संवेदनशील बनकर दूसरों के लिए बलिदान करता है। मुझे प्रतिमा रूप पसंद है क्योंकि वह परोपकारी है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iii) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि - गाँधी जी किस प्रकार के सुखों को मानव-जाति के लिए श्रेष्ठ मानते थे ?

उत्तर - गाँधी जी आत्मिक शांति, सादगी, नैतिकता और परोपकार से जुड़े सुखों को मानव-जाति के लिए श्रेष्ठ मानते थे, न कि भौतिक विलास को।

(iv) मूल्यवान वस्तुएँ सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए मना क्यों किया ?

उत्तर - महंत ने अंधेर नगरी में रहने से इसलिए मना किया क्योंकि वहाँ मूर्ख राजा, अन्यायपूर्ण शासन और अव्यवस्थित व्यवस्था थी, जो विनाशकारी थी।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20-25 शब्दों में लिखिए।

(i) आप ऐसे कौन से दो मानवीय मूल्य को अपनाना चाहेंगे जिससे आपका भविष्य निर्मित हो। वर्णन कीजिए।

उत्तर - मैं ईमानदारी और संवेदनशीलता को अपनाना चाहूँगा। ये मूल्य विश्वास, सहयोग और सामाजिक ज़िम्मेदारी विकसित कर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करते हैं।

(ii) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी को लिखने के पीछे प्रेमचन्द का क्या उद्देश्य था ?

उत्तर - प्रेमचंद का उद्देश्य इस कहानी के माध्यम से यह दिखाना है कि विलासिता और निष्क्रियता में डूबे लोग देश, समाज और स्वाधीनता के कर्तव्यों की उपेक्षा करते हैं।

(iii) समाचारों की चयन प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

उत्तर - समाचारों का चयन संवाददाताओं, समाचार एजेंसियों और संपादकों द्वारा उद्देश्य, महत्त्व, उपयोगिता तथा सीमित स्थान को ध्यान में रखकर सामूहिक रूप से किया जाता है।

33. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i)

गौरैया शहर पर उड़ने लगी। अमीर अपने महलों में रंगरलियाँ मना रहे थे और गरीब हाथ फैलाए भीख माँग रहे थे। वह अंधेरी गलियों पर से उड़ी और उसने देखा कि भूखे बच्चे ज़र्द चेहरे लटकाए हुए सूनी निगाहों से देख रहे हैं। एक पुलिया के नीचे दो बच्चे सिकुड़े हुए बैठे हैं - "भागो यहाँ से!" चौकीदार बोला और वे बारिश में भीगते हुए चल दिए।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम : 'सुखी राजकुमार'

लेखक का नाम : ऑस्कर वाइल्ड

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) लेखक ने इस गद्यांश में धनी और निर्धन वर्ग के जीवन और व्यवहार की किन विषमताओं को दर्शाया है ?

उत्तर - लेखक ने इस गद्यांश में धनी और निर्धन वर्ग के जीवन की विषमताओं को बड़ी ही मार्मिकता से प्रस्तुत किया है। अमीर लोग अपने महलों में खुशियों का आनंद ले रहे हैं और तकलीफों से बेखबर अपनी मस्ती में मग्न हैं जबकि गरीब लोग भीख माँगने को मजबूर हैं। गरीब बच्चों की स्थिति और भी दर्दनाक दिखाई गई है, जो भूख और ठंड से तड़प रहे हैं। यह समाज में व्याप्त आर्थिक और सामाजिक असमानता को उजागर करता है।

(ग) आपकी राय में गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य में क्या सीखती है ?

उत्तर - गौरैया जब सुखी राजकुमार के सान्निध्य मे होती है, तो वह उसकी सुखी-सुविधाओ और आनंदमय जीवन को देखकर यह सीखती है कि दुनिया मे बहुत से लोग ऐसे है जो केवल भौतिक सुख मे लिप्त है। इसके विपरीत, गरीब और असहाय लोगों की स्थिति देख कर उसे सामाजिक असमानता और दया की महत्वपूर्णता का अहसास होता है। वह समझती है की सच्ची खुशी और संतोष सिर्फ भौतिक समृद्धि मे नहीं, बल्कि दूसरों की मदद करने मे भी है।

अथवा

(ii)

बात यह है कि कल कोतवाल को फाँसी का हुक्म हुआ था। जब फाँसी देने को उनको ले गए, तो फाँसी का फंदा बड़ा हुआ, क्योंकि कोतवाल साहब दुबले हैं। हम लोगों ने महाराज से अर्ज़ किया, इस पर हुक्म हुआ कि एक मोटा आदमी पकड़कर फाँसी दे दो, क्योंकि बकरी मारने के अपराध में किसी न किसी को सजा होनी जरूर है नहीं तो न्याय न होगा। इसी वास्ते तुमको ले जाते हैं कि कोतवाल के बदले तुमको फाँसी दें।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम : 'अंधेर नागरी'

लेखक का नाम : भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ख) पाठ के इस अंश में किस व्यवस्था पर व्यंग्य किया गया है ?

उत्तर - इस गद्यांश में न्यायिक व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य किया गया है, जहाँ वास्तविक अपराधी को सजा देने के बजाय किसी निर्दोष व्यक्ति को दंडित किया जा रहा है। कहानी में कोतवाल को फाँसी दिए जाने की बात है, लेकिन जब वह फाँसी के फंदे में फिट नहीं होते, तो न्याय के नाम पर किसी अन्य व्यक्ति को फाँसी देने का निर्णय लिया जाता है। इससे न्याय प्रक्रिया की विडंबना और उसके असंगत तरीके को उजागर किया गया है, जहाँ केवल सजा देने के लिए कोई भी व्यक्ति दोषी ठहराया जा सकता है, भले ही वह निर्दोष हो।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) गद्यांश की भाषा-शैली लिखिए।

उत्तर - गद्यांश की भाषा-शैली :

- गद्यांश की भाषा-शैली व्यंग्यात्मक है।
- इसमें जनभाषा का प्रयोग किया गया है, जो पाठक आसानी से समझ सकें।
- इसमें हास्य और व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक अन्याय और व्यवस्था की आलोचना की गई है।

34. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

(i) **एक दिन दोनों मित्र मसजिद के खंडहर में बैठे हुए शतरंज खेल रहे थे। मीर की बाजी कुछ कमज़ोर थी। मिरज़ा साहब उन्हें किश्त-पर-किश्त दे रहे थे। इतने में कम्पनी के सैनिक आते हुए दिखाई दिए। वह गोरों की फ़ौज थी, जो लखनऊ पर अधिकार जमाने के लिए आ रही थी।**

उत्तर -

एक दिन दोनों ..... आ रही थी।

प्रसंग - प्रस्तुत गद्यांश कहानी 'शतरंज के खिलाड़ी' से लिया गया है जिसके रचयिता "प्रेमचंद जी" है। यह घटना एतिहासिक संदर्भ मे 1857 के विद्रोह के समय की है, जब भारतीय राज्य धीरे-धीरे अंग्रेजों के अधीन आ रहे थे।

व्याख्या - इस गद्यांश में दो मित्र, मीर और मिर्जा, मस्जिद के खंडहर में शतरंज खेलते समय अपने खेल में इतने लीन हैं कि उन्हें लखनऊ पर आ रही ब्रिटिश सेना की ओर ध्यान नहीं है। मीर कमजोर स्थिति मे है और मिरज़ा उसे लगातार मात दे रहे है। इस कहानी मे यह दर्शाया गया कि किस तरह देश पर संकट मंडरा रहा है, लेकिन वे लोग अपनी खेल-सुख में इतने व्यस्त हैं कि वास्तविकता से बेखबर हैं। यह स्थिति अव्यवस्था और सामाजिक उदासीनता को भी दर्शाती है।

विशेष -

- सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया हैं।
- अरबी शब्द का प्रयोग किया गया है।
- इतिहास शैली में लिखा गया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

(ii) **मैं अपने को बहुत ऊँचा महसूस करने लगा था। अपने परिवार और संबंधियों के बड़प्पन तथा शान-बान पर मुझे सदा गर्व रहा है। अब मैं मुहल्ले के लोगों को पहले से भी तुच्छ समझने लगा। मैं सीधे मुँह किसी से बात नहीं करता। किसी की ओर ठीक से देखता भी नहीं था। दूसरे के बच्चों को मामूली-सी शरारत पर डाँट डपट देता था।**

उत्तर -

मैं अपने को ..... डपट देता था।

प्रसंग - प्रस्तुत गद्यांश "बहादुर" कहानी से लिया गया है जिसके रचयिता अमरकांत है। गद्यांश में एक व्यक्ति का आत्ममुग्ध और अहंकारी स्वभाव दिखाया गया है। वह अपने परिवार और संबंधियों की स्थिति पर गर्व महसूस करता है और इसी गर्व के कारण मुहल्ले के लोगों को तुच्छ मानने लगता है।

व्याख्या - इस गद्यांश में व्यक्ति की अहंकारी भावना का चित्रण किया गया है। वह अपने परिवार और संबंधियों की शान पर गर्व महसूस करता है और अपने आप को ऊँचा मानता है। इस गर्व ने उसे मुहल्ले के लोगों को तुच्छ समझने पर मजबूर कर दिया है। वह दूसरों से सीधे मुह बात नहीं करता, उन्हें नजरअंदाज करता है और मामूली बातों पर भी कठोरता दिखाता है। यह अहंकार उसकी संवेदनशीलता को कम कर देता है और उसे दूसरों के प्रति अमानवीय बना देता है।

विशेष -

- सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
- अनुप्रास और यमक अलंकार का प्रयोग किया गया है।

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए।

धर्म हमें दया करना सिखाता है और अभिमान की जड़ में पाप-भाव पलता है। हमें शरीर में प्राण रहने तक दया-भाव को त्यागना नहीं चाहिए। संसार का प्रत्येक धर्म दया और करूणा का पाठ पढ़ाता है। परोपकार की भावना ही सबसे बड़ी मनुष्यता है। यह एक सात्विक-भाव है। परोपकार की भावना रखने वाला न तो अपने-पराए का भेदभाव रखता है और न ही अपनी हानि की परवाह करता है। दयावान किसी को कष्ट में देखकर चुपचाप नहीं बैठ सकता। उसकी आत्मा उसे मज़बूर करती है कि वह दुखी प्राणी के लिए कुछ करे। गुरुनानक, गौतम बुद्ध, महावीर जैसे संतों ने मानव-जाति के कल्याण की कामना करते हुए कर्म किए। ऐसे ही लोगों के बल पर आज हमारा देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है। अगर कोई किसी पर अत्याचार करे या बेकसूर को यातना दे, तो हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हम बेकसूर का सहारा बनें। न्याय व धर्म की रक्षा करना सदा से धर्म है। दया-भाव विहीन मनुष्य भी पशु समान ही होता है। जो दूसरों की रक्षा करते हैं, वे इस सृष्टि को चलाने में भगवान की सहायता करते हैं। धर्म का मर्म ही दया है। दया-भाव से ही धर्म का दीपक सदैव प्रज्वलित रहता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - गद्यांश का सार

धर्म हमें दया और करुणा का पाठ पढ़ाता है, जो मनुष्यता की सबसे बड़ी पहचान है। दयालु व्यक्ति किसी को कष्ट में देखकर मदद करने के लिए प्रेरित होता है। गुरुनानक, गौतम बुद्ध और महावीर जैसे संतों ने मानव कल्याण के लिए कार्य किए। धर्म का असली अर्थ दया है और जो दूसरों की रक्षा करते हैं, वे भगवान के काम में सहायक होते हैं। दया-भाव से ही धर्म का दीपक सदैव प्रज्वलित रहता है।

36. अपने मोहल्ले में 'जल संकट' से उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को एक पत्र लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर -

सेवा में

संपादक महोदय,

दैनिक भास्कर (समाचार-पत्र)

आगर-मालवा, मध्य प्रदेश

विषय : जल संकट से उत्पन्न कठिनाइयों पर ध्यान आकर्षित करने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से अपने मोहल्ले में जल संकट की गंभीर समस्या पर ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। विगत कुछ महीनों से हमारे मोहल्ले में पानी की आपूर्ति अत्यधिक कम हो गई है। पानी की कमी के कारण पीने, खाना पकाने और साफ-सफाई जैसे आवश्यक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कई बार पानी की टैंकर समय पर नहीं पहुँचतीं, जिससे दिन-प्रतिदिन की आवश्यकताएँ पूरी करना कठिन हो रहा है। इस समस्या का समाधान आवश्यक है। ताकि हमारे मोहल्ले के निवासी सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सकें। इसके अलावा जल संचयन और पाइपलाइन मरम्मत जैसे स्थायी समाधान की आवश्यकता है। कृपया इस मुद्दे को उजागर कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करें।

धन्यवाद

भवदीय/आपका

सोनिया

[आगर-मालवा, मध्य प्रदेश]

दिनांक – 12/02/2024

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अपने मित्र को एक पत्र लगभग 100 शब्दों में लिखिए जिसमें सिनेमा देखने के दुर्व्यसन से बचने के लिए सलाह दी गई हो।

उत्तर -

विजय नगर, सेक्टर - 12,

इंद्रा कॉलोनी, दिल्ली

5-3-2024

प्रिय मित्र

नमस्ते,

आशा है, तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगे। आज मैं तुम्हें एक महत्वपूर्ण बात बताना चाहती हूँ। मुझे पता चला है कि तुम सिनेमा देखने के दुर्व्यसन में पड़ रही हो। सिनेमा मनोरंजन का अच्छा माध्यम है, लेकिन अधिक समय और पैसा बर्बाद करने से पढ़ाई और जीवन पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। मैं तुम्हें सलाह दूँगी कि सिनेमा देखने की आदत को नियंत्रित करो और अपने समय का सदुपयोग पढ़ाई, खेल और सकारात्मक गतिविधियों में करो। सच्ची सफलता मेहनत और अनुशासन से ही मिलती है।

तुम्हारी शुभचिंतक,

मीना

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए।

(i) शहरीकरण से बढ़ता प्रदूषण

(ii) जहाँ चाह वहाँ राह

(iii) समय प्रबंधन का महत्त्व

(iv) भारत के बदलते गाँव

उत्तर -

(i) शहरीकरण से बढ़ता प्रदूषण

शहरीकरण, यानि शहरों का तेजी से विकास, आधुनिक जीवनशैली की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। बेहतर रोजगार के अवसर, उच्च जीवन स्तर और सुविधाओं की लालसा ने लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर आकर्षित किया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

हालांकि, शहरीकरण के कारण कई सकारात्मक बदलाव आए है, लेकिन इसके साथ ही पर्यावरणीय समस्याएं भी बढ़ी हैं, जिनमे सबसे प्रमुख समस्या प्रदूषण है।

वायु प्रदूषण : वायु प्रदूषण शहरी जीवन की प्रमुख समस्या बन गया है। शहरों में वाहनों की बढ़ती संख्या, उद्योगों से निकलने वाला धुआँ तथा निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल वायु को दूषित करती है। कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसें मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती हैं, जिससे श्वसन रोग, हृदय रोग और अन्य गंभीर बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं।

जल प्रदूषण : जल प्रदूषण भी शहरीकरण का एक गंभीर परिणाम है। उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट जल, घरेलू कचरा और प्लास्टिक नदियों तथा जलाशयों में मिलकर उन्हें दूषित कर देते हैं। इससे जल पीने योग्य नहीं रह जाता और जलजनित रोग फैलते हैं, जो मानव जीवन के लिए घातक सिद्ध होते हैं।

ध्वनि प्रदूषण : ध्वनि प्रदूषण शहरों में तेजी से बढ़ रहा है। यातायात, उद्योगों, निर्माण कार्यों और लाउडस्पीकरों के कारण ध्वनि स्तर सामान्य सीमा से अधिक हो जाता है, जिससे मानसिक तनाव, अनिद्रा और श्रवण शक्ति में कमी जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। भूमि प्रदूषण का कारण कूड़े-कचरे, औद्योगिक अपशिष्ट और निर्माण मलबे का अनुचित निस्तारण है, जिससे मिट्टी की उर्वरता घटती है।

भूमि प्रदूषण : शहरीकरण के साथ भूमि प्रदूषण की समस्या तेजी से बढ़ रही है। निर्माण कार्यों से निकलने वाला मलबा, औद्योगिक रासायनिक कचरा तथा घरेलू अपशिष्ट का उचित निस्तारण न होने से भूमि प्रदूषित हो रही है। प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ मिट्टी की उर्वरता को नष्ट करते हैं, जिससे कृषि योग्य भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

समाधान : प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उद्योगों को पर्यावरणीय नियमों का पालन कर कचरे का उचित निस्तारण करना चाहिए। नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए ताकि कचरा भूमि और जल को दूषित न करे। वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना तथा प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर कड़े कानून लागू करना आवश्यक है।

(iv) भारत के बदलते गाँव

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। परंपरागत रूप से भारतीय गाँव अपनी सरल जीवनशैली, सांस्कृतिक मूल्यों और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। किंतु समय के साथ तकनीकी प्रगति, शिक्षा और सरकारी योजनाओं के प्रभाव से गाँवों में व्यापक परिवर्तन आए हैं।

कृषि में परिवर्तन

गाँवों में कृषि आज भी मुख्य आजीविका है, पर इसके स्वरूप में बड़ा बदलाव आया है। पारंपरिक खेती के स्थान पर अब आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, उर्वरकों और सिंचाई के आधुनिक साधनों का प्रयोग बढ़ गया है। ट्रैक्टर और हार्वेस्टर से

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। इंटरनेट के माध्यम से किसानों को मौसम और बाजार की जानकारी मिल रही है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बनी है।

शिक्षा और जागरूकता

आज गाँवों में शिक्षा का महत्व बढ़ा है। सरकारी प्रयासों से विद्यालयों की संख्या में वृद्धि हुई है और अधिकतर बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। डिजिटल शिक्षा ने ग्रामीण छात्रों को नए अवसर प्रदान किए हैं। महिलाओं की शिक्षा से गाँवों में सामाजिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है।

स्वास्थ्य सुविधाएँ

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी गाँवों में सुधार हुआ है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, मोबाइल क्लीनिक और टेलीमेडिसिन के माध्यम से चिकित्सा सुविधाएँ गाँवों तक पहुँच रही हैं। इससे लोगों को उपचार के लिए शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन

शिक्षा और जागरूकता के कारण जातिगत भेदभाव में कमी आई है और सहयोग की भावना बढ़ी है। परंपरागत त्योहार और रीति-रिवाज आज भी गाँवों की पहचान बने हुए हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

OCTOBER-2024

Your Path to Success

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

1. आह्वान कविता के अनुसार भाग्य भी उसी का साथ देता है जो मेहनती और _____ होते हैं।

उत्तर - कर्मशील

2. कबीर ने मनुष्य के तन को के घड़े जैसा माना है।

(A) चाँदी

(B) पीतल

(C) सोने

(D) मिट्टी

उत्तर - (C) सोने

3. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियाँ मुँह ढाँपकर रोती है' का अर्थ है _____ ।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने चाँद के बारे में यह कल्पना की है कि चाँद एक चाँदी का है।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है मूर्ख जिसकी _____ का विकास न हुआ हो।

उत्तर - (क) नदी अपनी पीड़ा को छिपाने की कोशिश करती है, जैसे मनुष्य गहरी पीड़ा में अकेले सिसक कर रोता है।

(ख) बड़ा-सा गोल खंभा

(ग) बुद्धि

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(क) _____ और _____ सिक्के के दो पहलू है। आजादी को बनाए रखने के इन दोनों की आवश्यकता है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में सफेद बगुलों को _____ बताकर उसके माध्यम से व्यक्तियों के ऊपर व्यंग्य किया है।

उत्तर - (क) **कर्त्तव्य** और **अधिकार** सिक्के के दो पहलू है। आजादी को बनाए रखने के इन दोनों की आवश्यकता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में सफेद बगुलों को **ढोंगी** बताकर उसके माध्यम से **सफ़ेदपोश** व्यक्तियों के ऊपर व्यंग्य किया है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) आजादी कविता में दर्जी ने शागिर्द से कहा कि आज़ादी एक _____ है जिसका माध्यम हैं।

(ख) 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता की कवयित्री _____ तथा व्यक्तिगत _____ मानव-विरोधी भाव बताती है।

उत्तर - (क) आजादी कविता में दर्जी ने शागिर्द से कहा कि आज़ादी एक **अभिव्यक्ति** है जिसका माध्यम **शब्द** हैं।

(ख) 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता की कवयित्री **उपभोक्तावाद** तथा व्यक्तिगत **स्वार्थ** मानव-विरोधी भाव बताती है।

6. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

मैं चला, तुम्हें भी चलना है असिधारों पर,

सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो।

इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,

अपनी क्षमता को आज जरा अजमाओ तो।

दे रहा चुनौती समय अभी नवयुवकों को,

मैं किसी तरह मंजिल तक पहले पहुँचूँगा।

इस महाशांति के लिए हवन-वेदी पर मैं,

हंसते-हसते प्राणों की बलि दे जाऊँगा।

तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,

मैं गिरे-हुए लोगों को गले लगाऊँगा।

क्यों ऊँच-नीच, कुल जाति, रंग का भेद-भाव?

मैं रूढ़िवाद का कल्मष-महल ढहाऊँगा।

जिनका जीवन वसुधा की रक्षा हेतु बना,

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

मर कर भी सदियों तक यों ही वे जीते हैं।

दुनिया को देते हैं यश की रसधार विमल,

खूब हंसते-हंसते कालकूट को पीते हैं।

है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है।

तो आओ मेरे साथ नींव में गढ़ जाओ।

ऊपर इसके निर्मित होगा आनंद-महल,

मरते-मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।

(i) यह कविता क्या प्रेरणा देती है?

(A) आत्मबलिदान की।

(B) संघर्ष की।

(C) चुनौती की।

(D) युद्ध की।

उत्तर - (A) आत्मबलिदान की।

(ii) 'असिधारों पर चलने' का आशय है _____ ।

(A) संकटों में जीना।

(B) मृत्यु-पथ पर चलना।

(C) गौत का खतरा उठाकर कर्म करना।

(D) कठिन-कर्म करना।

उत्तर - (D) कठिन-कर्म करना।

(iii) 'मरते-मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।' रेखांकित में कौन-सा अलंकार है?

(A) उपमा

(B) रूपक

(C) उत्प्रेक्षा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) पुनरुक्ति प्रकाश

उत्तर - (D) पुनरुक्ति प्रकाश

(iv) 'नींव में गढ़ जाना" प्रतीकार्थ है _____ ।

(A) चुपचाप मरना।

(B) मौन रूप से समर्पण करना।

(C) मौन रहकर जीना।

(D) मौत को गले लगाना।

उत्तर - (B) मौन रूप से समर्पण करना।

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

7. किसी भी उत्पाद अथवा योजना की जानकारी देने के उद्देश्य से सरल और रोचक भाषा में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत की गई सूचनाओं को क्या कहते हैं?

(A) फ़ीचर

(B) विज्ञापन

(C) साक्षात्कार

(D) समाचार

उत्तर - (B) विज्ञापन

8. गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य से क्या सीखती है?

(A) तरस खाना

(B) आत्म-विश्लेषण

(C) निस्वार्थ प्रेम

(D) दया करना

उत्तर - (C) निस्वार्थ प्रेम

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए :

9. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' पाठ के अनुसार मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया का उदाहरण देने का उद्देश्य है :

(A) मोह-ममता को बनाए रखना।

(B) परंपराओं का पालन करना।

(C) रूढ़ियों का मोह त्यागना।

(D) नए को शंका की दृष्टि से देखना

उत्तर - (C) रूढ़ियों का मोह त्यागना।

10. शतरंज के खिलाड़ी कहानी के पात्र मिरज़ा साहब में मीर साहब के प्रति प्रतिकार की भावना आती जा रही थी क्योंकि-

(A) उनकी बेगम में उनके प्रति गुस्सा था।

(B) वे उनके कट्टर शत्रु थे।

(C) उन्हें सिपाही उकसाते थे।

(D) वे शतरंज में लगातार हार रहे थे।

उत्तर - (D) वे शतरंज में लगातार हार रहे थे।

11. सरकारी कार्यालयों में सार-लेखन का प्रयोग _____ किया जाता है।

(A) समय बचाने के लिए।

(B) पैसे खर्च करने के लिए।

(C) फाइलें फेंकने के लिए।

(D) कार्रवाई न करनी पड़े इसलिए।

उत्तर - (A) समय बचाने के लिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए :

12. सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया बार-बार मिस्र देश का जिक्र करती है। इससे उसके चरित्र की इस विशेषता का पता चलता है कि उसे _____ है।

उत्तर - यात्रा करना पसंद

13. अनौपचारिक पत्र को _____ भी कहते हैं।

उत्तर - व्यक्तिगत पत्र

14. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) 'बहादुर' पाठ के लेखक हैं _____ ।

(ख) अंधेर नगरी एक _____ है, जिसमें शासन-व्यवस्था की विसंगतियों का उद्घाटन किया गया है।

उत्तर - (क) 'बहादुर' पाठ के लेखक हैं **अमरकांत** ।

(ख) अंधेर नगरी एक **व्यंग्य नाटक** है, जिसमें शासन-व्यवस्था की विसंगतियों का उद्घाटन किया गया है।

15. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) 'मेरा काम सबसे पहले होना चाहिए।' _____ .

(ख) 'कल घोषणा करवा दो कि यहाँ चिड़ियाँ न मरने पाएँ।' _____ .

उत्तर - (क) किशोर

(ख) मेयर

16. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत।

(क) निबंध में क्रमबद्धता होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा प्रभावशाली होने चाहिए।

(ख) 'अंधेर नगरी' नाटक में महंत का पात्र लालची और स्वार्थी है।

उत्तर - (क) सही

(ख) गलत

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

17. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार चरितार्थता प्रेम में है, _____ में है, _____ में है। अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में हैं।

(क) प्रेम, जिज्ञासा

(ख) मैत्री, त्याग

(ग) मैत्री, पशुता

(घ) त्याग, स्वार्थ

उत्तर - (ख) मैत्री, त्याग

18. नीचे दिए गए पाठों और उनकी विधाओं के सही युग्म चुनिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

पाठ का नाम		**पाठ की विधा**
(क) बहादुर	-	**ललितनिबंध**
(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं?	-	**कहानी**

उत्तर -

पाठ का नाम		पाठ की विधा
(क) बहादुर	-	कहानी
(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं?	-	ललितनिबंध

19. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) मैं _____ में रहता था, जहाँ दुख को प्रवेश करने की इज़ाजत नहीं थी।

(ख) वाजिद अली शाह का समय था, लखनऊ _____ के रंग में डूबा हुआ था।

उत्तर - (क) मैं **आनंद-महल** में रहता था, जहाँ दुख को प्रवेश करने की इज़ाजत नहीं थी।

(ख) वाजिद अली शाह का समय था, लखनऊ **विलासिता** के रंग में डूबा हुआ था।

20. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

शिशु में स्वावलंबन के भाव को जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। पराश्रित रहने की आदत से व्यक्ति अपंग हो जाता है। जो स्वयं अपनी छोटी-मोटी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर आश्रित रहेगा, वह दूसरों के हित के लिए कुछ भी नहीं कर पाएगा। स्वावलंबन का गुण शिशु में स्वतः ही नहीं आ जाता, इसके लिए सुनियोजित शिक्षा-पद्धति परिहार्य है। शिशु को यदि हम राष्ट्र की अमूल्य निधि के रूप में देखना चाहते हैं तो उसे एक ऐसा आदर्श वातावरण प्रदान करना है जिसमें निर्बाध

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

गति से उसका चहुँमुखी विकास हो सके। स्वच्छ, शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में ही शिशु की कोमल भावनाएँ सुरक्षित रह सकती है। शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना सामाजिक अपराध है। राष्ट्र का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह प्रत्येक बालक को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए कि उसमें हीन भावना न पनपने पाए। हीन बावना से ग्रसित बालक बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्य का सही रूप में निर्वाह नहीं कर सकता। हमें बालक के अंदर से 'मेरे' और 'अपने' के भाव को हटाकर 'हमारा' का भाव पैदा करना है। इससे शिशु में आध्यात्मिक चेतना भी जागेगी, उसका नाता पूर्वतों से और देश की मिट्टी से जुडेगा और उसके अंतःकरण का विकास होगा।

(i) शिशु को राष्ट्र की अमूल्य निधि किस प्रकार बनाया जा सकता है?

(A) निर्बाध गति से उसे जोड़कर

(B) निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास करके

(C) निर्बाध गति से उसे आश्रित बनाकर

(D) निर्बाध गति से उसे आगे बढाकर

उत्तर - (B) निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास करके

(ii) गद्यांश के आधार पर राष्ट्र का पुनीत कर्तव्य क्या है?

(A) बच्चे में हीन भावना पनपने न देना।

(B) बच्चे की सुकोमल भावनाओं को संभालना।

(C) बच्चे की भावना को सुरक्षित न रखना।

(D) बच्चे को स्वस्थ और सबल वातावरण प्रदान करना।

उत्तर - (A) बच्चे में हीन भावना पनपने न देना।

(iii) बच्चे को संकीर्णता से उबारने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

(A) उसके भीतर दया का भाव जगाना धाहिए।

(B) उसके भीतर 'मेरे' और 'अपने" का भाव जगाना चाहिए।

(C) उसके भीतर 'हमारा' का भाव जगाना चाहिए।

(D) उसके भीतर आध्यात्मिकता का भाव जगाना चाहिए।

उत्तर - (C) उसके भीतर 'हमारा' का भाव जगाना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iv) शिशु में 'हमारा' का भाव भरने पर क्या होगा?

(A) अंतःकरण जीवित हो जाएगा।

(B) आध्यात्मिक चेतना जागेगी और अंतःकरण का विकास होगा।

(C) आध्यात्मिक चेतना को रास्ता मिलेगा।

(D) उसकी सोच में संकीर्णता आएगी।

उत्तर - (B) आध्यात्मिक चेतना जागेगी और अंतःकरण का विकास होगा।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

21. 'आँखे खुलना' मुहावरे का अर्थ है _____।

(A) नींद न आना

(B) सचेत होना

(C) आँख को खटकना

(D) अच्छा न लगना

उत्तर - (B) सचेत होना

22. 'चरण-कमल'_____ समास का उदाहरण है।

(A) द्विगु

(B) अव्ययीभाव

(C) कर्मधारय

(D) द्वंद्व

उत्तर - (C) कर्मधारय

23. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है _____ ।

(A) काटो खरगोश को दो गाजर।

(B) गाजर काट कर खरगोश को दो।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) खरगोश को गाजर काट कर दो।

(D) गाजर खरगोश को काट कर दो।

उत्तर - (C) खरगोश को गाजर काट कर दो।

24. बिल्ली झाड़ियों के पीछे छिपकर बैठ गई और कुत्ते के जाने की प्रतीक्षा करने लगी।

यह _____ वाक्य है।

(A) संयुक्त

(B) मिश्र

(C) सरल

(D) प्रश्नवाचक

उत्तर - (A) संयुक्त

25. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(i) परमाणु का संधि-विच्छेद _____ है।

(ii) विद्यार्थी का संधि-विच्छेद _____ है।

उत्तर -

(i) परमाणु का संधि-विच्छेद **'परम + अणु'** है।

(ii) विद्यार्थी का संधि-विच्छेद **'विद्या + अर्थी'** है।

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(i) विलास शब्द में _____ उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।

(ii) दुकानदार शब्द में _____ प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

उत्तर -

(i) विलास शब्द में **'वि'** उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।

(ii) दुकानदार शब्द में **'दार'** प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(i) चाँदनी, छत्र, दुग्ध, डिग्री में से तद्भव शब्द है _____ ।

(ii) गमला, बाज़ार, उज्ज्वल, कंगन में से तत्सम शब्द है _____ ।

उत्तर - (i) चाँदनी

(ii) उज्ज्वल

28. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नमोल्लेख करते हुए काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -

कभी महसूस किया कि किस कदर दहलता हैं
मौन समाधि लिए बैठे पहाड़ का सीना
विस्फोट से टूटकर जब छिटकता दूर
तक, कोई पत्थर?
सुनाई पड़ी है कभी भरी दुपहरिया में,
हथौड़ों की चोट से टूटकर बिखरते
पत्थरों की चीख़?

उत्तर -

भाव-सौन्दर्य : कविता के इस अंश में पहाड़ की भयंकर यातना को महसूस करने का आग्रह किया गया है। इन पंक्तियों में कवियित्री कहती हैं कि जब कोई भयानक स्थिति या विपत्ति आती है तो उसे देखकर या उसका सामना करते हुए व्यक्ति का दिल दहलता है। अर्थात् वह भीतर तक हिल जाता है या काँप जाता है।

इसी तरह, पहाड़ की स्थिरता को देखकर लगता है, जैसे वह मौन समाधि में बैठा हो, जिस प्रकार कोई साधु ध्यान में बैठा हो। लेकिन मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए पहाड़ों को तोड़ता है, उन पर डाइनामाइट लगाकर विस्फोट करता है ताकि पत्थर और सीमेंट निकाले जा सकें। इस विस्फोट से ऐसा लगता है मानो पहाड़ का सीना फट गया हो और वह दर्द से कराह उठा हो। कवयित्री ने इसी मानवीय हस्तक्षेप को पहाड़ की सुंदरता के लिए हानिकारक बताया है।

शिल्प-सौन्दर्य :

- **लेखिका -** निर्मला पुतुल
- **कविता -** बूढ़ी पृथ्वी का दुख
- प्रश्न-शैली का प्रयोग किया हैं।
- दृश्यात्मक एवं भावानुकूल भाषा प्रयोग हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

आज़ादी वह फसल है जिसे
बोने वाला ही काट सकता है,
वह रोटी, जिसे मेहनती ही खा सकता है,
यह वह कपड़ा है, जिसे दर्जी ही पहन सकता है",
यह कहकर दर्जी फिर से कपड़े सीने लगा
शागिर्द की उलझन दूर हुई और
वह सुई में धागा पिरोने लगा।

उत्तर -

भाव - सौंदर्य : यह पंक्तियाँ 'आजादी' कविता से ली गई है। इसके मूल लेखक "बालचंद्रन चुल्लिक्काड" है व इसके अनुवादक असद ज़ैदी हैं। इन पंक्तियों में कवि ने बताया है कि आज़ादी, मेहनत और मेहनती लोगों का अधिकार है। जिस तरह किसान बोई हुई फ़सल काटता है, श्रमिक अपनी मेहनत से कमाई करता है, और दर्जी खुद ही कपड़ा सिलकर पहनता है, उसी तरह आज़ादी भी केवल उन्हीं को प्राप्त होती है जो उसके लिए संघर्ष करते हैं।

शिल्प-सौंदर्य :

- कविता की भाषा सरल और सहज है।
- कविता में अरबी, फ़ारसी और अंग्रेजी शब्दों का भी प्रयोग किया गया है।
- इस काव्य में उपमा अलंकार का प्रयोग हुआ है।

29. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

खैर, खून, खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति, मदपान।
रहिमन दाबे ना दबैं, जानत सकल जहान॥

उत्तर -

खैर, खून, खाँसी ..... सकल जहान।

प्रसंग : प्रस्तुत प्रसंग प्रसिद्ध कवि **रहीम** दोहे से लिया गया है। रहीम अपने दोहों में जीवन के व्यवहारिक और नैतिक पक्षों पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हैं।

व्याख्या : इन पंक्तियों के माध्यम से कवि यह बताना चाहता है कि ख़ैर (कत्था), खून, खाँसी, खुसी, वैर (दुश्मनी), प्रीति, मदपान (नशा) यह साथ चीज ऐसी है जिसे छिपने से भी नही छिपाया जा सकता है। कत्था होट लाल होने पर अपनी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उपस्थिति को ज़ाहिर कर देता है और खून का रंग भी छिपाना संभव नहीं होता। खाँसी को रोकने या दबाने से वह छिपती नही है, दो लोगो की दुश्मनी भी ज़ाहिर हो ही जाती हैं। इसी प्रकार प्रीति अर्थात प्रेम भी कभी छुपता नही है मदपान या नशा करने वाले व्यक्ति के व्यवहार और चाल-ढाल से पता चल जाता है कि उसने शराब या नशा कर रखा है। अर्थात ये सात चीजें ऐसी है जो स्वयं ही अपने आप को व्यक्त कर देती हैं, इन्हें छिपाया नही जा सकता।

विशेष :

- कवि - रहीम के दोहे।
- अनुप्रास अलंकर का प्रयोग किया गया है।

अथवा

उत्तर -

फाग गाता मास फागुन
आ गया है आज जैसे।
देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में
दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

फाग गाता मास ..... उपजाऊ अधिक है।

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ **'चंद्रगहना से लौटती बेर'** कविता से ली गई हैं, जो 'फूल नहीं, रंग बोलते है' काव्य संग्रह में सम्मिलित हैं। इसके रचयिता **"केदारनाथ अग्रवाल"** हैं। यहाँ वनस्पतियों के मिलन को स्वयंवर जैसा वर्णित किया गया हैं व विभिन्न वनस्पतियों में प्रेंम भाव भरा है।

व्याख्या : कवि कहते हैं कि ऐसा लग रहा है जैसे फागुन का महीना 'फाग' (होली के समय गाया जाने वाला गीत) गाता हुआ आ रहा है। कन्या, वर, गीत आदि को देखकर कवि को ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे प्रकृति का स्वयंवर हो रहा है। इससे प्रकृति का प्रेम रूपी आँचल हिल रहा हैं। जिस प्रकार माँ विवाह-मंडप में कन्या के ऊपर प्यार भरा आँचल फैलाकर उसे आशीर्वाद देती है, उसी प्रकार यहाँ प्रकृति माँ की भूमिका निभा रही है।

यह दृश्य कवि के मन को छू लेता है। उन्हें लगता है कि गाँवों में शहरों की तुलना में अधिक प्यार और आत्मीयता है। शहर अब केवल व्यापारिक हो गए हैं, जहाँ भावनाएँ कम होती जा रही हैं। लेकिन गाँवों में अब भी प्रेम और अपनापन बना हुआ है। यहाँ तक कि इस शांत और सुनसान से दिखने वाले स्थान पर भी हर ओर प्रकृति में प्यार बिखरा हुआ नजर आता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशेष :

- सरल-सहज शब्दों का प्रयोग किया गया है।
- काव्य में प्रकृति-सौंदर्य तथा ग्रामीण परिवेश के मोहक वातावरण को चित्रित किया गया हैं।
- काव्य में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया हैं।

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए –

(क) आपके विचार में आज़ादी का वास्तविक अर्थ क्या है?

उत्तर - आज़ादी का मतलब है, बिना किसी बाधा के अपनी मर्ज़ी से सोचना, बोलना, काम करना, और जीना। आज़ादी का मतलब सिर्फ़ अधिकारों का लाभ उठाना नहीं है, बल्कि समाज और देश के प्रति ज़िम्मेदारी निभाना भी है।

(ख) 'आह्वान' कविता के कवि ने 'उद्बोधन और 'आह्वान' में क्या अंतर बताया है?

उत्तर - 'आह्वान' कविता के कवि ने बताया है कि किसी व्यक्ति, समूह अथवा समाज को संबोधित करना **उद्बोधन** कहलाता है। कवि देश की जनता का उद्बोधन कर रहा है। जब किसी बड़े उद्देश्य के लिए काम करने की प्रेरणा दी जाती है, तो उसे **आह्वान** कहते हैं।

(ग) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुःख' कविता में कवयित्री ने किन विषयों पर चिंता प्रकट की है?

उत्तर - 'बूढ़ी पृथ्वी का दुःख' कविता में कवयित्री ने घटते वृक्ष, हरियाली की कमी, नदियों में घटते पानी और बढ़ते प्रदूषण पर चिंता प्रकट की है। उन्होंने पहाड़ों के प्रति मनुष्य के क्रूर व्यवहार और पर्यावरण पर इसके विनाशकारी प्रभाव को भी उजागर किया है।

(घ) कबीर के अनुसार एक व्यक्ति में ऊँचे कुल में जन्म लेने के साथ-साथ और क्या होना आवश्यक है?

उत्तर - कबीर के अनुसार, केवल ऊँचे कुल में जन्म लेना पर्याप्त नहीं है। बल्कि व्यक्ति में अच्छे कर्म, ज्ञान और सद्गुणों का होना भी आवश्यक है। यदि व्यक्ति में अच्छे आचरण और विनम्रता नहीं है, तो ऊँचे कुल का होना व्यर्थ है।

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) 'अंधेर नगरी' नाटक में दिखाए गए परिवेश का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - 'अंधेर नगरी' नाटक में बाजार, जंगल और राजभाषा के दृश्य प्रमुख है, बाजार के दृश्य के माध्यम से तत्कालीन लोक संस्कृति का पता चलता है।

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के इस वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए - "कोई योगी भी समाधि में इतना एकाग्र न होता होगा!"

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रेमचंद व्यंग्य करते हुए कहते हैं- कोई योगी भी समाधि में इतना एकाग्र न होता होगा। इसका तात्पर्य है कि मिरज़ा और मीर अपनी शतरंज की लत में इतने डूबे होते हैं कि उन्हें लखनऊ की त्रासदी और परिवार की चिंता का कोई एहसास नहीं होता।

(ग) लेखक ने राजकुमार को सुखी राजकुमार क्यों कहा है?

उत्तर - राजकुमार का नाम सुखी इसलिए था क्योंकि वह वास्तव में सुखी था जो आनंद-महल में रहता था। जो कभी किसी दुख का सामना नहीं किया। साथ ही, कभी किसी का दुख नहीं देखा।

(घ) 'बहादुर ईमानदार है।' स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - बहादुर पर चोरी का आरोप लगने पर वाचक उसका बचाव करता है और बताता है कि बहादुर ईमानदार है; मिले हुए पैसे भी वह उठाकर निर्मला को दे देता था।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) बहादुर के चले जाने पर सबसे अधिक किन्हें अपनी गलतियों का अहसास होता है और क्यों?

उत्तर - बहादुर के चले जाने पर वाचक को अपनी गलती का सबसे अधिक अहसास होता है, क्योंकि उसे लगता है कि यदि उसने बहादुर को मारा न होता, तो वह कभी घर छोड़कर नहीं जाता।

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर द्वारा राजकुमार और गौरैया को स्वर्ग में स्थान देने की बात से कहानीकार क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर - कहानीकार यह संदेश देना चाहता है कि दया, त्याग और परोपकार ही सच्चे मानवीय मूल्य हैं, जिन्हें समाज अनदेखा करता है, जबकि ईश्वर इन्हीं गुणों को महत्व देता है।

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक का कौन-सा पात्र आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों?

उत्तर - अंधेर नगरी' नाटक में महंत जी का किरदार सबसे अच्छा लगा क्योंकि वे एक समझदार और दूरदर्शी व्यक्ति थे और लोभ-लालच में नहीं पड़ते थे।

33. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

नाखून का बढ़ना मनुष्य के भीतर की पशुता की निशानी है और उसे नहीं बढ़ने देना मनुष्य की अपनी इच्छा है; अपना आदर्श है। बृहत्तर जीवन में अस्त्र-शस्त्रों को बढ़ने देना मनुष्य की पशुता की निशानी है और उनकी बाढ़ को रोकना मनुष्यत्व का तकाज़ा है। मनुष्य में जो घृणा है जो अनायास - बिना सिखाये - आ जाती है, वह पशुत्व की घोतक है और अपने को संयत रखना, दूसरे के मनोभावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है। बच्चे यह जाने तो अच्छा हो कि अभ्यास और तप से वस्तुएँ, मनुष्य की महिमा को सूचित करती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए।

उत्तर - उपर्युक्त गद्यांश पाठ **"नाखून क्यों बढ़ते है?"** से लिया गया है और इसके लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी जी है।

(ख) गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - गद्यांश का मूल भाव यह है कि मनुष्य का असली आदर्श संयम, आत्म-नियंत्रण और दूसरों के प्रति सम्मान है। लेखक का कहना है कि मनुष्य में स्वाभाविक रूप से जो घृणा, हिंसा और पशुता होती है, वह उसकी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ हैं, जिनका नियंत्रण करना ही उसकी असली पहचान है।

(ग) आज के परिवेश में नई पीढ़ी में सद्गुणों का विकास किन-किन उपायों द्वारा हो सकता है?

उत्तर - नई पीढ़ी में सद्गुणों का विकास शिक्षा, परिवार, समाज में प्रेरणादायक व्यक्तित्वों, स्वयंसेवी कार्य, धार्मिक और सांस्कृतिक शिक्षा, आत्म-निर्भरता, अनुशासन, और प्रेरणादायक पुस्तकों के माध्यम से किया जा सकता है, जो उन्हें सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन करें।

अथवा

बटेर लड़ रहे हैं। तीतरों की लड़ाई के लिए पाली बदी जा रही है। कहीं चौसर बिछी हुई है, पौ-बारह का शोर मचा हुआ है। कहीं शतरंज का घोर संग्राम छिड़ा हुआ है। राजा से लेकर रंक तक इसी धुन में मस्त थे। यहाँ तक कि फकीरों को पैसे मिलते तो वे रोटियाँ न लेकर अफ़ीम खाते या मदक पीते। शतरंज, ताश गंजीफ़ा खेलने से बुद्धि तीव्र होती है, विचार शक्ति का विकास होता है, पेचीदा मसलों को सुलझाने की आदत पड़ती है - वे दलीलें/ज़ोरों के साथ पेश की जाती थीं (इस सम्प्रदाय के लोगों से दुनिया अब भी खाली नहीं है। इसलिए, अगर मिरज़ा सज्जाद अली और मीर रौशन अली अपना अधिकांश समय बुद्धि तीव्र करने में व्यतीत करते थे, तो किसी विचारशील पुरुष को क्या आपत्ति हो सकती है?

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए।

उत्तर - यह गद्यांश मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित कहानी "शतरंज के खिलाड़ी" से लिया गया है।

(ख) इस गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - गद्यांश में नवाबी संस्कृति के पतन का चित्रण किया गया है, जहाँ लोग कर्तव्यों की ओर ध्यान न देकर खेल, नशे और मनोरंजन में लिप्त थे। लेखक व्यंग्यात्मक शैली में यह दिखाते हैं कि समाज अपने समय और संसाधनों को व्यर्थ की गतिविधियों में बर्बाद कर रहा था, जो मानसिक और नैतिक पतन को दर्शाता है।

(ग) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा-शैली पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर - प्रेमचंद ने समाज की कुरीतियों और पतनशीलता पर कटाक्ष करते हुए सरल, प्रवाहपूर्ण और व्यंग्यात्मक भाषा का प्रयोग किया है। भाषा में उर्दू और फारसी के शब्दों का प्रयोग उस समय की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से जोड़ता है। उदाहरण के लिए, "चौसर", "अफ़ीम", "गंजीफ़ा", आदि शब्द उस समय की नवाबी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

34. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तो बच्चा! ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा हो। सो बच्चा चलो यहाँ से। ऐसी अंधेर नगरी में हज़ार मन मिठाई मुफ़्त की मिले, तो किस काम की? यहाँ एक छन नहीं रहना।

गुरुजी, ऐसा तो संसार-भर में कोई देस ही नहीं है। दो पैसा पास रहने ही मज़े में पेट भरता है। मैं तो इस नगरी को छोड़कर नहीं जाऊँगा।

उत्तर -

तो बच्चा! ऐसी नगरी में रहना..... नगरी को छोड़कर नहीं जाऊँगा।

प्रसंग : प्रस्तुत प्रसंग **'अंधेरी नगरी'** नाटक से लिया गया हैं, जो कि सर्वाधिक लोकप्रिय नाटक हैं। इसके रचयिता हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार **"भारतेंदु हरिश्चंद्र"** हैं। इस नाटक में गुरु और उनके दो शिष्यों – गोबरधनदास और नारायणदास की कथा है। यहाँ गुरु (महंत) अंधेर नगरी की अन्यायपूर्ण व्यवस्था को देखकर वहाँ से जाने का निश्चय करते हैं, लेकिन उनका एक शिष्य (गोबरधनदास) ठहरने की जिद करता है।

व्याख्या : इन पंक्तियों में महंत जी अपने शिष्य गोबरधनदास को समझाते हैं कि ऐसी नगरी में रहना ठीक नहीं है, जहाँ चीजों का उचित मूल्य नहीं होता और शासन व्यवस्था अराजक होती है। 'टके सेर भाजी और टके सेर खाजा' का अर्थ यह है कि वहाँ हर वस्तु का मूल्य एक समान है, चाहे वह सस्ती हो या महंगी। इससे यह सिद्ध होता है कि वहाँ का राजा या शासक अत्यंत मूर्ख और अन्यायी है। गुरु के अनुसार, ऐसे स्थान पर रहना विनाशकारी हो सकता है, चाहे वहाँ कितनी भी सुविधाएँ मिलें, क्योंकि वहाँ न्याय और नीति का कोई मूल्य नहीं होता। अतः वे अपने शिष्य से वहाँ से चलने को कहते हैं।

परंतु गोबरधनदास अपने गुरु की सलाह को नहीं मानता। वह कहता है कि ऐसी नगरी संसार में कहीं और नहीं मिलेगी, जहाँ केवल दो पैसे होने से भी पेट भर भोजन मिल सकता है। वह तत्कालिक लाभ और सस्ती वस्तुओं के लोभ में अंधेर नगरी में रहने का निर्णय लेता है, बिना यह सोचे कि ऐसी अनुचित व्यवस्था उसके लिए खतरा भी बन सकती है।

विशेष :

- सरल, सहज और प्रभावशाली भाषा का प्रयोग हैं।
- "टके सेर भाजी, टके सेर खाजा" में गहरा व्यंग्य निहित हैं।
- खड़ी बोली का प्रयोग किया गया हैं।

अथवा

गौतम ने ठीक ही कहा था कि मनुष्य की मनुष्यता यही है कि वह सबके दुख-सुख को सहानुभूति के साथ देखता है। यह आत्म-निर्मित बंधन ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है। अहिंसा, सत्य और अक्रोधमूलक धर्म का मूल उत्स यही है। मुझे आश्चर्य होता है कि अनजाने में भी हमारी भाषा में यह भाव कैसे रह गया है! लेकिन, मुझे नाखून के बढ़ने पर आश्चर्य हुआ था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

गौतम ने ठीक ही कहा था ..... बढ़ने पर आश्चर्य हुआ था।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण हिंदी निबंधकार हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित निबंध **"नाखून क्यों बढ़ते हैं"** से लिया गया है। इस निबंध में लेखक ने मनुष्यता, सहानुभूति, अहिंसा और सत्य जैसे मूल्यों पर प्रकाश डाला है। वे बताते हैं कि मनुष्य की विशेषता उसकी संवेदनशीलता और दूसरों के दुख-सुख को समझने की क्षमता में निहित है।

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में हजारीप्रसाद द्विवेदी जी ने नाखून की चर्चा करते हुए मानवता, सभ्यता और प्राचीनता पर विचार किया है। वे बताते हैं कि मनुष्य में ही मनुष्यता का भाव होता है, जिसके कारण वह सबकी संवेदनाओं को समझता है। इसके साथ ही, स्वयं की समझ ही मनुष्य को एक मनुष्य बनाने में मदद करता है। इसके अलावा, मनुष्यता के लिए मनुष्य में अहिंसा, सत्य और क्रोध से मुक्त होना ही वास्तव में उचित धर्म का स्त्रोत है। लेखक आगे कहते है कि मुझे इस बात पर आश्यर्च है कि ये नाखूनों की बढ़ोतरी मानव जीवन के विकास और उसके प्रतीकों के रूप वर्णित है, अर्थात मनुष्य के नाखून उसकी भयंकरता के प्रतीक है, जिसे देखकर लेखक को आश्चर्य हुआ है।

विशेष :

- मनुष्यता की मूल भावना को दर्शाया है।
- सरल, सहज एवं स्पष्ट भाषा का प्रयोग किया गया है।
- तत्सम शब्दों का प्रयोग किया गया है।

35. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसका सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए -

प्रत्येक मनुष्य अपनी रुचि के अनुसार अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित करता है। कोई व्यापारी बनना चाहता है तो कोई सरकारी कर्मचारी, कोई इंजीनियर बनने की लालसा से प्रेरित है तो कोई डॉक्टर बनना चाहता है। स्वार्थ पूर्ति के लिए किया गया काम उच्च कोटि की संज्ञा नहीं पा सकता। स्वार्थ के पीछे तो संसार पागल है। लोग भूल गए हैं कि जीवन का रहस्य निष्काम सेवा है। जो व्यक्ति लालच से प्रेरित होकर काम करता है, वह कभी सुपरिणाम नहीं ला सकता। उससे समाज का कोई भला नहीं होता। निष्काम सेवा के द्वारा ही मनुष्य समाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व निभा सकता है। निष्काम सेवा के द्वारा ही ईश्वर को प्राप्त किया जाता है। समाज और देश को उन्नति की ओर ले जाने का श्रेष्ठतम तथा सरलतम साधन यही है। हमारे संत कवियों तथा समाज सुधारकों ने इसी भाव से प्रेरित होकर अपनी चिंता छोड़ देश और समाज के कल्याण का रास्ता चुना। वे राष्ट्र और समाज के लिए बहुत कुछ कर पाए। अपने लिए तो सभी जीते हैं जो दूसरों के लिए जीता है उसका जीवन अमर हो जाता है। वही मनुष्य महान है जो मनुष्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - जीवन का उद्देश्य स्वार्थ से परे होना चाहिए। व्यक्ति को निष्काम सेवा का मार्ग अपनाना चाहिए, क्योंकि स्वार्थपूर्ण कार्य समाज के भले के लिए नहीं होते। जो लोग दूसरों के भले के लिए काम करते हैं, वही असली सफलता और महानता प्राप्त करते हैं। संतों और समाज सुधारकों ने इसी भावना से प्रेरित होकर समाज और देश के कल्याण के लिए कार्य किया। उनका जीवन दूसरों के लिए समर्पित था, और यही जीवन का वास्तविक उद्देश्य है।

36. किसी प्रतिष्ठित पत्र के संपादक को पत्र लिखकर नगर में डेंगू फैलने के कारणों की चर्चा करते हुए इससे निपटने की अपर्याप्त तैयारियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर -

सेवा में

संपादक

नवभारत टाइम्स (समाचार-पत्र)

दिल्ली 110059

दिनांक : 28/01/2025

विषय - डेंगू फैलने के कारण

सविनय निवेदन है कि मैं आपके प्रतिष्ठित पत्र के माध्यम से प्रशासन और नगरवासियों का ध्यान नगर में डेंगू की बढ़ती समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। हर गली और मोहल्ले में डेंगू के मरीजों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण नगर में जगह-जगह गंदगी, जलभराव और मच्छरों के पनपने के अनुकूल वातावरण का होना है। इसके अलावा, खुले में कूड़े के ढेर, नालों की सफाई की कमी, और नियमित फॉगिंग न होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। अस्पतालों में डेंगू के मरीजों के लिए पर्याप्त बिस्तर, दवाएँ और खून उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा, लोगों को डेंगू से बचाव के तरीके बताने के लिए भी कोई कदम नहीं उठाए गए हैं।

मैं आपके माध्यम से प्रशासन से आग्रह करता हूँ कि वे शीघ्र उपाय अपनाएँ। जैसे - सफाई अभियान को चलाना, फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव करना आदि। आपसे अनुरोध है कि इस विषय पर अपने प्रतिष्ठित पत्र में स्थान प्रदान कर प्रशासन और नागरिकों को इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए प्रेरित करें।

धन्यवाद,

भवदीय

अंकित

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अपनी वायुयान-यात्रा के आनंद का वर्णन करते हुए अपने मित्र/सखी को पत्र लिखिए।

उत्तर -

प्रिय मित्र/सखी,

नमस्ते! आशा है तुम स्वस्थ और खुशहाल होगी। इस पत्र के माध्यम से मैं तुम्हें अपनी वायुयान-यात्रा के अनुभव के बारे में बताना चाहती हूं। यह यात्रा सच में अद्वितीय थी, और मैं चाहती हूँ कि तुम भी इसे महसूस कर सको।

जैसे ही मैंने विमान में प्रवेश किया, मुझे एक अजीब सी उत्सुकता महसूस हुई। सीट पर बैठते ही मैं खिड़की से बाहर देखने लगी, और फिर जो दृश्य सामने आया, वह अविस्मरणीय था। आकाश में उड़ते हुए, नीचे ज़मीन की छोटी-छोटी बातें, जैसे घर, सड़कें, पेड़, सब कुछ छोटे खिलौनों जैसा लगता था। हवा की नमी और हल्की सी ठंडक ने यात्रा को और भी सुखद बना दिया।

विमान के अंदर का माहौल भी बहुत आरामदायक था। एयरहोस्टेस ने बहुत विनम्रता से स्वागत किया और हमें भोजन भी परोसा। आस-पास के लोग बहुत शांत थे, और विमान की हलचल भी बहुत कम थी, जिससे मुझे यात्रा का हर क्षण बहुत शांति और आरामदायक अनुभव हुआ। जब विमान ऊँचाई पर पहुँच गया, तो मैं खिड़की से सूरज की रौशनी और बादलों के बीच की रंगीन छायाएँ देखती रही। यह दृश्य सच में जादुई था।

यात्रा के दौरान समय बहुत जल्दी बीत गया, और जैसे ही हम गंतव्य पर पहुँचे, मन में एक अजीब सी खुशी और संतोष था। यह अनुभव मेरे लिए एक नई और रोमांचक शुरुआत जैसा था। मुझे उम्मीद है कि तुम्हें मेरी यात्रा के अनुभव से आनंद मिलेगा।

तुम्हारी मित्र,

अनिशा ठाकुर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

(ख) भारतीय गाँव

(ग) कंप्यूटर : आज की आवश्यकता

(घ) मेले का दृश्य

उत्तर -

(क) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। इसे मनाने का उद्देश्य योग के महत्व को दुनिया भर में फैलाना और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करना है। 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की, और तभी से यह दिन पूरी दुनिया में योगाभ्यास के महत्व को पहचानने और बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

योग भारत की प्राचीन विद्या है, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को संतुलित करने का एक प्रभावी तरीका है। इसके माध्यम से हम न केवल अपने शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि मन और आत्मा के बीच सामंजस्य भी स्थापित करते हैं। योग के विभिन्न आसन और प्राणायाम शरीर को लचीला बनाते हैं, रक्तसंचार को बेहतर करते हैं और तनाव को कम करते हैं। योग का नियमित अभ्यास मानसिक शांति और संतुलन को बढ़ावा देता है, जो हमारे जीवन को अधिक उत्पादक और संतुष्टिपूर्ण बनाता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन दुनिया भर में हजारों लोग एक साथ मिलकर योग करते हैं। इस दिन विभिन्न देशों में योग शिविर और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं, जहाँ विशेषज्ञ योग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं। इसके माध्यम से न केवल योग की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों को बताया जाता है, बल्कि यह भी एक वैश्विक संदेश भेजता है कि योग किसी एक देश या संस्कृति की नहीं, बल्कि समूची मानवता की धरोहर है।

आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में योग एक उत्तम साधन बन गया है, जो हमें स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने की दिशा में मार्गदर्शन करता है। योग दिवस न केवल एक दिन के आयोजन के रूप में अपनाया जाता है, बल्कि यह हर दिन योग को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success